(iv) रस की अलौकिकता

(v) विस्तार

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1061 **B**

Unique Paper Code : 12135905

Name of the Paper : Indian Aesthetics

Name of the Course : **B.A. (H.) GE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (4×15=60)

Answer any **four** of the Following questions :–

(i) सौन्दर्य के घटक तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

Discussthe constituent elements of Saundarya.

(ii) सौन्दर्यानुभूति के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये ।

Explain the nature of Aesthetic Experience.

(iii) चित्रकला और मूर्तिकला सौन्दर्यानुभूति की माध्यम हैं, स्पष्ट कीजिये ।

Painting and Sculpture arts are mode of expression of saundarya, explain it.

(iv) साहित्यिक कलाओंके क्षेत्र में ध्वनि एवं औचित्य के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the importance of School of ध्वनि and औचित्य in the field of literary Arts.

(v) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र के क्षेत्र में आचार्यभामह के योगदान की समीक्षा कीजिए ।

Discuss the contribution of आचार्यभामह in field of Indian aesthetics.

(vi) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक की समीक्षा कीजिए ।

Discuss the Abhijnanshakuntalam on context of Indian aesthetics.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :- (3×5=15)

Write a short notes any **Three** of the following :–

(i) आचार्य भरत

(ii) आचार्य विश्वनाथ

(iii) अनुकर्ता